>

Title : Food grain problem due to shortage of rainfall in J&K.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): सभापति महोदय, आप जानते हैं कि इस देश में रेनफॉल काफी कम हुआ, बहुत ड्राउट हुआ। मेरी कौन्सटीटूंसी खासकर जम्मू कश्मीर में मेरे डिस्ट्रिक्ट जो हिमाचल के साथ लगते थे, आपने चम्पा को ड्राउट डिक्लेयर किया। मुझे इस बात की खुशी है कि चम्बा को ड्राउट डिक्लेयर किया, लेकिन उसके साथ मेरा डिस्ट्रिक्ट डोडा लगता है। सेम क्लाइमेट है और दोनों जगह बराबर अफैक्टेड हैं। मुझे अफसोस है कि एक तो डोडा उस जगह से रह गया और हिमाचल का जो कुल्लू मनाली वाला डिस्ट्रिक्ट है, वह डिस्ट्रिक्ट 299 में आया, लेकिन जम्मू कश्मीर का किश्तवाड़ नहीं आया। मैं कहना चाहता हूं कि कठुआ डिस्ट्रिक्ट के कंडी बैल्ट के रेनफॉल के एरिया में आप देखेंगे कि उसमें कहीं मक्की नहीं लगी, सौ प्रतिशत लॉस हुआ। इसके साथ ही उधमपुर के एरिया का ऐसा हाल हुआ। आप रियासी डिस्ट्रिक्ट गूलरनाज की बात करें। मेरे कहने का मतलब है कि मेरे सात डिस्ट्रिक्ट जो मेरी कौन्सटीटूंसी में पड़ते हैं, वे काफी अफैक्ट हुए, जैसे सांबा का आधा हिस्सा, घगवाल का कंडी बैल्ट का एरिया और पहाड़ी क्षेत्र। वहां न वर्षा हुई, न बर्फ गिरी। मैं अफसोस के साथ कहना चाहता हूं कि कौन आदमी है जो मेजरमैंट करता है, कौन सी आर्गनाइजेशन है जो मापदंड में लाती है कि यह एरिया ड्राउट में आ गया और साथ वाला छूट गया। मैं कहना चाहता हूं कि वहां इस समय लोगों के लिए खाने की दुश्वारियां हो रही हैं। आप इंदरवाल चले जाइए, भद्रवाह चले जाइए, किश्तवाड़ चले जाइए, पांडर चले जाइए, इस समय वहां काफी दिक्कत है।

गूलरनाज़ के इलाके में, माहौर के इलाके में राशन की काफी परेशानी है। इन्होंने अपनी मेजरमैंट लगाकर हमें खुशहाल बता दिया, लेकिन लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं।

मेरी आपके माध्यम से रिक्वैस्ट है कि भारत सरकार मेरी कौन्सटीटूंसी के डिस्ट्रिक्ट को उन ड्राउट डिस्ट्रिक्ट्स में इनक्लूड करे जो बाकी हिन्दुस्तान के आए हैं।